MISSION SHAKTI ABHIYAN 2021
(An Initiative by Uttar Pradesh Government)

1. Free Medical Health Camp and medicine distribution for Girl Students on 1 March 2020.

हमारी संस्कृति में महिलाएं देवी की तरह :डॉ. राजकुमार

अमर भारती संवाददाता

मेरठ। हमारी संस्कृति में महिलाओं को देवी की तरह पूजा जाता है। हम मां दुर्गा, लक्ष्मी और विद्या को पूजते हैं। महिला पहले से शक्ति का स्वरूप माना जाता है। वर्तमान समय में महिला पुरूषों से कम नहीं है, वह कंधे से कंधा मिलाकर काम कर रही हैं। समाज को अपनी सोच में बदलाव लाने की आवश्यकता है। नारी अब अबला नहीं है। यह बात स्वास्थ्य विभाग के संयुक्त निदेशक डॉ राजकुमार मुख्य अतिथि ने चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय में आयोजित मिशन शक्ति अभियान 2021 के तहत स्वास्थ परीक्षण एवं औषधि वितरण कार्यक्रम के दौरान कही। गुरूकुल स्ट्रीट आवास पार्क चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय, मेरठ मिशन शक्ति अभियान 2021 के तहत स्वास्थ परीक्षण एवं औषधि वितरण कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. नरेंद्र कुमार तनेजा ने कहा कि हमारे संविधान में महिलाओं को पुरूषों के बारबर का अधिकार दिया गया है। आज हर क्षेत्र में महिला उच्च पदों पर काम कर रही है। चाहे फिर वह राजनैतिक क्षेत्र हो, स्वास्थ्य या फिर शिक्षा का क्षेत्र हो। महिला किसी से भी कम नहीं है। उनको अपने अधिकारों को पहचानने की आवश्यकता है।

कार्यक्रम की विशिष्ट अतिथि प्रति कुलपति प्रो. वाई विमला ने कहा कि महिला के बिना समाज की कल्पना भी नहीं की जा सकती है। मां ही बच्चे की पहली गुरू होती है, जो उसको अच्छे और बुरे की पहचान कराती है। औषधि वितरण मिशन शक्ति अभियान 2021 के तहत स्वास्थ परीक्षण एवं औषधि वितरण कार्यक्रम के दौरान 70 से अधिक छात्राओं का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया तथा यदि किसी में कोई कमी पाई गई तो उनको निशुल्क औषधि वितरण किया गया।

इस अवसर पर संयुक्त निदेशक डॉ संगीता गुप्ता, एसीएमओ डॉ पूजा शर्मा, डॉ रचना, डॉ सुनीता चैहान, डॉ धमेंद्र कुमार, रमेश यादव, अमरपाल, इजीनियर मनीष मिश्रा आदि मौजूद रहें।

हमारी संस्कृति में महिला को देवी की तरह पूजा जाता है: डा. राजकुमार

दिव्य विश्वास,संवाददाता

● फोटोः दिव्य विश्वास

मेरठ। हमारी संस्कृति में महिलाओं को देवी की तरह पूजा जाता है।हम मां दुर्गा, लक्ष्मी और विद्या को पूजते हैं। महिला पहले से शक्ति का स्वरूप माना जाता है।वर्तमान समय में महिला पुरूषों से कम नहीं है, वह कंधे से कंधा मिलाकर काम कर रही हैं।समाज को अपनी सोच में बदलाव लाने की आवश्यकता है। नारी अब अबला नहीं है। यह बात स्वास्थ्य विभाग के संयुक्त निदेशक डा. राजकुमार मुख्य अतिथि ने चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय, मेरठ में आयोजित मिशन शक्ति अभियान 2021 के तहत स्वास्थ परीक्षण एवं औषधि वितरण कार्यक्रम के दौरान कही।

संविधान में महिला को बराबर का अधिकार : गुरूकुल स्ट्रीट आवास पार्क चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय, मेरठ मिशन शक्ति अभियान 2021 के तहत स्वास्थ परीक्षण एवं औषधि वितरण कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. नरेंद्र कुमार तनेजा ने कहा कि हमारे संविधान में महिलाओं को पुरूषों के बराबर का अधिकार दिया गया है।आज हर क्षेत्र में महिला उच्च पदों पर काम कर रही है। चाहे फिर वह राजनैतिक क्षेत्र हो, स्वास्थ्य या फिर शिक्षा का क्षेत्र हो।महिला किसी से भी कम नहीं है। उनको अपने अधिकारों को पहचानने की आवश्यकता है।

कार्यक्रम की विशिष्ट अतिथि चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय की प्रति कुलपति प्रो. वाई विमला ने कहा कि महिला के बिना समाज की कल्पना भी नहीं की जा सकती है।मां ही बच्चे की पहली गुरू होती है, जो उसको अच्छे और बुरे की पहचान कराती है। पहले की अपेक्षा महिलाओं में अधिक जागरूकता आई।महिलाओं में शिक्षा का स्तर बढ़ता जा रहा है। मिशन शक्ति अभियान 2021 के तहत स्वास्थ परीक्षण एवं औषधि वितरण कार्यक्रम के दौरान 70 से अधिक छात्राओं का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया तथा यदि किसी में कोई कमी पाई गई तो उनको निःशुल्क औषधि वितरण किया गया।

कार्यक्रम की समन्वयक प्रो. बिन्दु शर्मा ने बताया शासन के निर्देशानुसार पूरे सप्ताह मिशन शक्ति के तहत कार्यक्रम का आयोजन किया जाना है, इसी के तहत सोमवार को मिशन शक्ति अभियान 2021 के तहत स्वास्थ परीक्षण एवं औषधी वितरण कार्यक्रम का आयोजिन किया गया था।

हमारी संस्कृति में महिला को देवी की तरह पूजा जाता है: डॉ. राजकुमार

कुमार अशोक

मेरठ। हमारी संस्कृति में महिलाओं को देवी की तरह पूजा जाता है। हम मां दुर्गा, लक्ष्मी और विद्या को पूजते हैं। महिला पहले से शक्ति का स्वरूप माना जाता है। वर्तमान समय में महिला पुरूषों से कम नहीं है, वह कंधे से कंधा मिलाकर काम कर रही है। समाज को अपनी सोच में बदलाव लाने की आवश्यकता है। नारी अब अबला नहीं है। यह बात स्वास्थ्य विभाग के संयुक्त निदेशक डॉ0 राजकुमार मुख्य अतिथि ने चैधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय, मेरठ में आयोजित मिशन शक्ति अभियान 2021 के तहत स्वास्थ परीक्षण एवं औषधि वितरण कार्यक्रम के दौरान कही। संविधान में महिला को बराबर का अधिकार गुरूकुल स्ट्रीट आवास पार्क चैधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय, मेरठ मिशन शक्ति अभियान 2021 के तहत स्वास्थ परीक्षण एवं औषधि वितरण कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे चैधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति प्रो0 नरेंद्र कुमार तनेजा ने कहा कि हमारे संविधान में महिलाओं को पुरूषों के बारबर का अधिकार दिया गया है। आज हर क्षेत्र में महिला उच्च पदों पर काम कर रही है। चाहे फिर वह राजनैतिक क्षेत्र हो, स्वास्थ्य या फिर शिक्षा का क्षेत्र हो। महिला किसी से भी कम नहीं है। उनको अपने अधिकारों को पहचानने की आवश्यकता है।

इस अवसर पर जिला अस्पताल की डॉक्टरों की टीम का विशेष सहयोग रहा। संयुक्त निदेशक डॉ0 संगीता गुप्ता, एसीएमओ डॉ0 पूजा शर्मा, डॉ0 रचना, डॉ0 सुनीता चैहान, डॉ0 निधि भाटिया, डॉ0 शिखा वशिष्ठ का विशेष सहयोग रहा। इस दौरान प्रो0 एके चैबे, प्रो0 नवीन चंद्र लोहानी, प्रो0 नीलू जैन गुप्ता, डॉ0 धमेंद्र कुमार, रमेश यादव, अमरपाल, इंजीनियर मनीष मिश्रा आदि मौजूद रहे।

PIC : DAINIK JAGRAN INEXT

Pooja, Sunita, Rachna

Kirti, Yashi

Suman, Kajol

शक्ति का 'मिशन'

meerut@inext.co.in

MEERUT (1 March): सीसीएसयू पार्क में आयोजित मिशन शक्ति अभियान कार्यक्रम का आयोजन किया गया. जिसमें स्वास्थ्य विभाग के संयुक्त निदेशक ने कहा कि हमारी संस्कृति में महिलाओं को देवी की तरह पूजा जाता है. वर्तमान में महिलाएं पुरुषों से कंधे से कंधा मिलाकर चल रही हैं. समाज को अपनी सोच बदलनी होगी अब नारी अबला नही है. इसके बाद 2021 के तहत स्वास्थ परीक्षण एवं औषधि वितरण किया गया. मौके पर स्टूडेंट व टीचर्स से में इस अभियान से जुड़ने का काफी क्रेज देखने को मिला. सभी ने अपनी जांच कराई. परीक्षण के दौरान 70 गर्ल्स स्टूडेंट का ब्लड, शुगर, हीमोग्लोबिन, एचाआईवी, हैपेटाइटिस बी का परीक्षण किया गया. इसमें 10 से लेकर 14.5 तक गर्ल्स का हीमोग्लोबिन पाया गया.

Vanshita

Y vimla, Nk taneja

Anshika, Rajni

INVITE US:

If you are throwing a party, celebrating any festival or mounting an exhibition, we will report it. Call us at 9910444850 or mail at meerut@inext.co.in

For more party photos, go to www.inextlive.com/city/lights

I am framed

Garima, Soniya, Doli

Abha, Arpita

Aditi, Shrankhla, kit

हमारी संस्कृति में महिला को देवी की तरह पूजा जाता है : डॉ. राजकुमार

महिला, पुरूष से कम नहीं, कंधे से कंधा मिलाकर कर रही हैं काम, समाज को महिलाओं के प्रति सोच में लाना होगा बदलाव

मेरठ स्वदेश संवाद।

हमारी संस्कृति में महिलाओं को देवी की तरह पूजा जाता है। हम मां दुर्गा, लक्ष्मी और विद्या को पूजते हैं। महिला पहले से शक्ति का स्वरूप माना जाता है। वर्तमान समय में महिला पुरूषों से कम नहीं है, वह कंधे से कंधा मिलाकर काम कर रही हैं। समाज को अपनी सोच में बदलाव लाने की आवश्यकता है। यह बात स्वास्थ्य विभाग के संयुक्त निदेशक डॉ. राजकुमार ने चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय, मेरठ में आयोजित मिशन शक्ति अभियान 2021 के तहत स्वास्थ परीक्षण एवं औषधि वितरण कार्यक्रम के दौरान कहीं।

गुरूकुल स्ट्रीट आवास पार्क चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय, मेरठ मिशन शक्ति अभियान 2021 के तहत स्वास्थ परीक्षण एवं औषधि वितरण कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. नरेंद्र कुमार तनेजा ने कहा कि हमारे संविधान में महिलाओं को पुरुषों के बारबर का अधिकार दिया गया है। आज हर क्षेत्र में महिला उच्च पदों पर काम कर रही है। चाहे फिर वह राजनैतिक क्षेत्र हो, स्वास्थ्य या फिर शिक्षा का क्षेत्र हो। महिला किसी से भी कम नहीं है। उनको अपने अधिकारों को पहचानने की आवश्यकता है।

कार्यक्रम की विशिष्ट अतिथि चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय की प्रति कुलपति प्रो. वाई विमला ने कहा कि महिला के बिना समाज की कल्पना भी नहीं की जा सकती है। मां ही बच्चे की पहली गुरू होती है, जो उसको अच्छे और बुरे की पहचान कराती है। पहले की अपेक्षा महिलाओं में अधिक जागरूकता आई। महिलाओं में शिक्षा का स्तर बढता जा रहा है।

नारी शक्ति मिशन को लेकर छात्राओं को किया जागरूक

हरदोई स्वदेश संवाद। माधौगंज कस्बे के मोहल्ला पटेल नगर परिचमी स्थित एमएस पब्लिक इंटर कॉलेज में नारी शक्ति मिशन के तहत जागरूकता अभियान चलाया गया। जिसमें महिला आरक्षी दिव्या द्विवेदी ने छात्राओं को बताया कि सरकार की ओर से 1090,1076, 1081, 112 हेल्पलाइन नंबर जारी किए गए हैं। इन पर कॉल करते ही महिला सुरक्षा आसानी से हो सकेगी। उन्होंने कहा कि समाज में फैली विसंगतियों को दूर करने के लिए नारियों का शिक्षित एवं जागरूक होना अत्यंत आवश्यक है। शिक्षित नारी राष्ट्र के विकास में सहायक सिद्ध हो रही है। पुरुषों की तरह महिलाएं भी अच्छे पदों पर आसीन होकर बखूबी जिम्मेदारियों का निर्वाहन कर रही हैं। नारी के शिक्षित होने से कुप्रथा व अपराजक तत्वों द्वारा किए जाने वाले कुकृत्य कम हो सकते हैं साथ ही समाज को नई दिशा प्राप्त हो सकती है। प्रदेश सरकार की ओर से भी नारी सुरक्षा को लेकर बेहतर कदम उठाए जा रहे हैं। शैक्षिक संस्थानों से लेकर गांव गलियों तक जागरूकता अभियान चलाकर महिलाओं को सशक्त किया जा रहा है। इस मौके पर महिला आरक्षी निशा, एसआई राम पलट राव, प्रधानाचार्य अमित कुशवाहा, उमेश कुशवाहा, अध्यापक केके यादव,नीरज सिंह, मदन पाल, जितेंद्र द्विवेदी,शैलेंद्र कुमार, शिवाकांत राठौर,अविनाश कुमार, दीपक पाल, सुधीर कुमार सहित शिक्षिकाएं व स्कूल की छात्राएं मौजूद रहे।

मिशन शक्ति अभियान के तहत महिलाओं को किया जागरूक

महिलाओं एवं बालिकाओं की सुरक्षा, सम्मान एवं स्वावलंबन हेतु उत्तर प्रदेश शासन द्वारा संचालित अभियान मिशन शक्ति के अंतर्गत सोमवार को राजकीय महाविद्यालय बिलोहा, गैसड़ी, बलरामपुर में एक गोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम मे नारी शक्ति, स्वावलंबन, स्वाभिमान तथा महिलाओं और बालिकाओं के सुरक्षा, सम्मान के अतिरिक्त विभिन्न सामाजिक मुद्दों पर विचार व्यक्त किये गए। गोष्ठी में महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ.कमाल अहमद सिद्दीकी ने कहा यद्यपि कि महिलाओं और बालिकाओं की सुरक्षा के लिए बहुत कानून बनाए गए हैं बावजूद इसके नारियों को सम्मान और स्वाभिमान के लिए उनके प्रति लोगों को अति संवेदनशील होना होगाऔर उनमें साहस उत्पन्न करने के लिए और उन्हें निर्भीक बनाने के लिए वातावरण तैयार करना होगा, इस वातावरण को बनाने के लिए हमें अपने परिवार से ही शुरुआत करनी होगी। मिशन शक्ति अभियान के तहत बेसिक शिक्षा विभाग द्वारा कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय नगर क्षेत्र बलरामपुर में मिशन शक्ति के अंतर्गत आज नुक्कड़ नाटक कार्यक्रम का आयोजन किया गया प्रथम,द्वितीय,तृतीय स्थान पाने वाली छात्राओं को समाजसेवी गोपी से पुरस्कृत कराया गया कार्यक्रम को सफल बनाने में विद्यालय की वार्डन श्रीमती सुधा मिश्रा,दीपक यादव,घनश्याम रहे।

महिलाओं को माना गया है शक्ति का रूप : डॉ. राजकुमार

मेरठ (एसएनबी)। स्वास्थ्य विभाग के संयुक्त निदेशक डॉ. राजकुमार ने चौधरी चरणसिंह विश्वविद्यालय में आयोजित मिशन शक्ति अभियान के तहत स्वास्थ परीक्षण एवं औषिधि वितरण कार्यक्रम में कहा कि हमारी संस्कृति में महिलाओं को देवी की तरह पूजा जाता है। हम मां दुर्गा, लक्ष्मी और विद्या को पूजते हैं। महिला को पहले से ही शक्ति का स्वरूप माना जाता है। वर्तमान में महिला पुरुषों से कम नहीं है, वह कंधे से कंधा मिलाकर काम कर रही हैं। समाज को अपनी सोच में बदलाव लाने की आवश्यकता है। नारी अब अबला नहीं है।

कुलपति प्रोफेसर नरेंद्र कुमार तनेजा ने कहा कि हमारे संविधान में महिलाओं को पुरुषों के बराबर का अधिकार दिया गया है। हर क्षेत्र में महिला उच्च पदों पर काम कर रही हैं। चाहें फिर वह राजनीतिक क्षेत्र हो, स्वास्थ्य या फिर शिक्षा का क्षेत्र हो। महिला किसी से भी कम नहीं है। उनको अपने अधिकारों को पहचानने की आवश्यकता है। प्रति कुलपति प्रोफेसर वाई विमला ने कहा कि महिला के बिना समाज की कल्पना भी नहीं की जा सकती है। मां ही बच्चे की पहली गुरू होती है, जो उसे अच्छे और बुरे की पहचान कराती है। महिलाओं में शिक्षा का स्तर बढ़ रहा है। कार्यक्रम की समन्वयक प्रोफेसर बिन्दु शर्मा ने बताया शासन के निर्देशानुसार पूरे सप्ताह मिशन शक्ति के तहत कार्यक्रम किए जाएंगे। सात मार्च तक इन कार्यक्रमों की श्रृंखला चलेगी। हर दिन अलग विषय पर कार्यक्रम या फिर गोष्ठी का आयोजन किया जाएगा। परीक्षण के दौरान 70 छात्राओं का ब्लड, शुगर, हीमोग्लोबिन, एचआईवी, हीपैटाईटिस बी का परीक्षण किया गया। इसमें 10 से लेकर 14.5 तक छात्राओं का हीमोग्लोबिन पाया गया। इस अवसर पर संयुक्त निदेशक डॉ. संगीता गुप्ता, एसीएमओ डॉ. पूजा शर्मा, डॉ. रचना, डा. सुनीता चौहान, डॉ. निधि भाटिया, डॉ. शिखा वशिष्ठ, प्रोफेसर नवीन चंद्र लोहानी, प्रोफेसर नीलू जैन गुप्ताभी मौजूद रहे।

हमारी संस्कृति में महिला को देवी की तरह पूजा जाता है-डॉ0 राजकुमार

(आज का बुलेटिन)
दिनेश गोयल बाबा

मेरठ। हमारी संस्कृति में महिलाओं को देवी की तरह पूजा जाता है। हम मां दुर्गा, लक्ष्मी और विद्या को पूजते हैं। महिला पहले से शक्ति का स्वरूप माना जाता है। वर्तमान समय में महिला पुरूषों से कम नहीं है, वह कंधे से कंधा मिलाकर काम कर रही हैं। समाज को अपनी सोच में बदलाव लाने की आवश्यकता है। नारी अब अबला नहीं है। यह बात स्वास्थ्य विभाग के संयुक्त निदेशक डॉ0 राजकुमार मुख्य अतिथि ने चैधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय, मेरठ में आयोजित मिशन शक्ति अभियान 2021 के तहत स्वास्थ परीक्षण एवं औषिधि वितरण कार्यक्रम के दौरान कही।

संविधान में महिला को बराबर का अधिकार

गुरूकुल स्ट्रीट आवास पार्क चैधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय, मेरठ मिशन शक्ति अभियान 2021 के तहत स्वास्थ परीक्षण एवं औषिधि वितरण कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे चैधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति प्रो0 नरेंद्र कुमार तनेजा ने कहा कि हमारे संविधान में महिलाओं को पुरूषों के बारबर का अधिकार दिया गया है।

आज हर क्षेत्र में महिला उच्च पदों पर काम कर रही है। चाहे फिर वह राजनैतिक क्षेत्र हो, स्वास्थ्य या फिर शिक्षा का क्षेत्र हो। महिला किसी से भी कम नहीं है। उनको अपने अधिकारों को पहचानने की आवश्यकता है।

महिला के बिना समाज की कल्पना नहीं

कार्यक्रम की विशिष्ट अतिथि चैधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय की प्रति कुलपति प्रो0 वाई विमला ने कहा कि महिला के बिना समाज की कल्पना भी नहीं की जा सकती है। मां ही बच्चे की पहली गुरू होती है, जो उसको अच्छे और बुरे की पहचान कराती है। पहले की अपेक्षा महिलाओं में अधिक जागरूकता आई। महिलाओं में शिक्षा का स्तर बढता जा रहा है।

70 से अधिक बच्चों का हुआ परीक्षण, औषिधि वितरण

मिशन शक्ति अभियान 2021 के तहत स्वास्थ परीक्षण एवं औषिधि वितरण कार्यक्रम के दौरान 70 से अधिक छात्राओं का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया तथा यदि किसी में कोई कमी पाई गई तो उनको निशुल्क औषिधि वितरण किया गया।

कार्यक्रम की समन्वयक प्रो0 बिन्दु शर्मा ने बताया शासन के निर्देशानुसार पूरे सप्ताह मिशन शक्ति के तहत कार्यक्रम का आयोजन किया जाना है, इसी के तहत सोमवार को मिशन शक्ति अभियान 2021 के तहत स्वास्थ परीक्षण एवं औषिधी वितरण कार्यक्रम का आयोजिन किया गया था। सात मार्च तक कार्यक्रमों की श्रृंखला चलेगी। हर दिन अलग विषय पर कार्यक्रम या फिर गोष्ठी का आयोजन किया जाएगा। परीक्षण के दौरान 70 छात्राओं का ब्लड, शुगर, हीमोग्लोबिन, एचाआईवी, हीपैटाईटिस बी का परीक्षण किया गया। इसमें 10 से लेकर 14.5 तक छात्राओं का हीमोग्लोबिन पाया गया।

इस अवसर पर जिला अस्पताल की डॉक्टरों की टीम का विशेष सहयोग रहा। संयुक्त निदेशक डॉ0 संगीता गुप्ता, एसीएमओ डॉ0 पूजा शर्मा, डॉ0 रचना, डॉ0 सुनीता चैहान, डॉ0 निधि भाटिया, डॉ0 शिखा वशिष्ठ का विशेष सहयोग रहा। इस दौरान प्रो0 एके चैबे, प्रो0 नवीन चंद्र लोहानी, प्रो0 नीलू जैन गुप्ता, डॉ0 धर्मेंद्र कुमार, रमेश यादव, अमरपाल, इंजीनियर मनीष मिश्रा आदि मौजूद रहें।

हमारी संस्कृति में महिला को देवी की तरह पूजा जाता है: डा. राजकुमार

दिव्य विश्वास, संवाददाता

मेरठ। हमारी संस्कृति में महिलाओं को देवी की तरह पूजा जाता है। हम मां दुर्गा, लक्ष्मी और विद्या को पूजते हैं। महिला पहले से शक्ति का स्वरूप माना जाता है। वर्तमान समय में महिला पुरूषों से कम नहीं है, वह कंधे से कंधा मिलाकर काम कर रही हैं। समाज को अपनी सोच में बदलाव लाने की आवश्यकता है। नारी अब अबला नहीं है। यह बात स्वास्थ्य विभाग के संयुक्त निदेशक डा. राजकुमार मुख्य अतिथि ने चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय, मेरठ में आयोजित मिशन शक्ति अभियान 2021 के तहत स्वास्थ परीक्षण एवं औषधि वितरण कार्यक्रम के दौरान कही।

संविधान में महिला को बराबर का अधिकार : गुरूकुल स्ट्रीट आवास पार्क चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय, मेरठ मिशन शक्ति

● फोटो: दिव्य विश्वास

अभियान 2021 के तहत स्वास्थ परीक्षण एवं औषधि वितरण कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. नरेंद्र कुमार तनेजा ने कहा कि हमारे संविधान में महिलाओं को पुरूषों के बराबर का अधिकार दिया गया है। आज हर क्षेत्र में महिला उच्च पदों पर काम कर रही है। चाहे फिर वह राजनैतिक क्षेत्र हो, स्वास्थ्य या फिर शिक्षा का क्षेत्र हो। महिला किसी से भी कम नहीं है। उनको अपने अधिकारों को पहचानने की आवश्यकता है।

कार्यक्रम की विशिष्ट अतिथि चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय की प्रति कुलपति प्रो. वाई विमला ने कहा कि महिला के बिना समाज की कल्पना भी नहीं की जा सकती है। मां ही बच्चे की पहली गुरू होती है, जो उसको अच्छे और बुरे की पहचान कराती है। पहले की अपेक्षा महिलाओं में अधिक जागरूकता आई। महिलाओं में शिक्षा का स्तर बढ़ता जा रहा है।

मिशन शक्ति अभियान 2021 के तहत स्वास्थ परीक्षण एवं औषधि वितरण कार्यक्रम के दौरान 70 से अधिक छात्राओं का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया तथा यदि किसी में कोई कमी पाई गई तो उनको निःशुल्क औषधि वितरण किया गया।

कार्यक्रम की समन्वयक प्रो. बिन्दु शर्मा ने बताया शासन के निर्देशानुसार पूरे सप्ताह मिशन शक्ति के तहत कार्यक्रम का आयोजन किया जाना है, इसी के तहत सोमवार को मिशन शक्ति अभियान 2021 के तहत स्वास्थ परीक्षण एवं औषधी वितरण कार्यक्रम का आयोजिन किया गया था।